



एशियाई विकास बैंक (ADB) के 11वें अध्यक्ष

24 फरवरी - 2025 - 23 नवंबर 2024

चर्चा में क्यों?

- जापान के मसातो कांडो को एशियाई विकास बैंक (ADB) के 11वें अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। वे 23 फरवरी 2025 को वर्तमान अध्यक्ष मसात्सुगु असकावा का स्थान लेंगे।





एशियाई विकास बैंक (ADB) के 11वें अध्यक्ष

प्रमुख बिंदु:

- मसातो कांडो का कार्यकाल 24 फरवरी 2025 से 23 नवंबर 2026 तक होगा।
- कांडो जापान के वित्त मंत्रालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप मंत्री रह चुके हैं।
- उनके पास 40 वर्षों का अंतर्राष्ट्रीय वित्त और नीतिगत मामलों का अनुभव है।



एशियाई विकास बैंक (ADB) के 11वें अध्यक्ष

प्रमुख बिंदु:

- उन्होंने G7 और G20 जैसे मंचों पर प्रमुख मुद्दों पर कार्य किया है।
- कांडो ने एडीबी को अधिक समावेशी और सतत विकास के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में

वित्तीय संस्था

19 दिसंबर 1966

- एशियाई विकास बैंक (ADB) की स्थापना 19 दिसंबर 1966 को हुई।
- यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्था है।
- उद्देश्य: क्षेत्र को समृद्ध, समावेशी, सुदृढ़ और सतत बनाना तथा गरीबी समाप्त करना।



ASIAN DEVELOPMENT BANK

एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में

कार्य

- अनुदान, ऋण, तकनीकी सहायता और इक्विटी निवेश प्रदान करता है।
- नीति संवाद, परामर्श सेवाओं और सह-वित्तीयन के माध्यम से वित्तीय संसाधन जुटाता है।



- मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस।



एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में

सदस्यता

- प्रारंभ में 31 सदस्य, अब 68 देश (49 क्षेत्रीय और 19 गैर-क्षेत्रीय)।
- UN और उसकी एजेंसियों के सदस्य देश सदस्य बन सकते हैं।



एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में

नियंत्रण

- बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा प्रबंधित। ✓
- वोट पूंजी योगदान के अनुपात में वितरित होते हैं।
- 2022 में सबसे बड़े शेयरधारक: जापान, अमेरिका (15.6% प्रत्येक), चीन (6.4%), भारत (6.3%), और ऑस्ट्रेलिया (5.8%)।



एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में

धन का स्रोत

- अंतराष्ट्रीय बॉन्ड बाजारों से पूंजी जुटाना।
- सदस्य योगदान, ऋण चुकौती और लेंडिंग से अर्जित लाभ।





एशियाई विकास बैंक (ADB) के 11वें अध्यक्ष

एशियाई डेवलपमेंट बैंक का अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया:

- एशियाई विकास बैंक (ADB) के अध्यक्ष का चुनाव बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा किया जाता है।

चुनाव प्रक्रिया:

- सदस्य देश उम्मीदवारों को नामांकित करते हैं, आमतौर पर प्रमुख योगदानकर्ता देशों से।



एशियाई विकास बैंक (ADB) के 11वें अध्यक्ष

एशियाई डेवलपमेंट बैंक का अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया:

चुनाव प्रक्रिया:

- 68 सदस्य देशों के प्रतिनिधि मतदान करते हैं, जहां वोट का भार आर्थिक योगदान के आधार पर तय होता है। जैसे जापान और अमेरिका के पास सबसे ज्यादा इक्विटी शेयर है तो इनका मत सबसे ज्यादा मायने रखता है।



एशियाई विकास बैंक (ADB) के 11वें अध्यक्ष

एशियाई डेवलपमेंट बैंक का अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया:

चुनाव प्रक्रिया:

- बहुमत प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को अध्यक्ष चुना जाता है, अक्सर सर्वसम्मति से।
- कार्यकाल: अध्यक्ष का कार्यकाल 5 वर्षों का होता है, जो बोर्ड के निर्णय और संविधान के अनुसार बढ़ सकता है।
- ADB के अध्यक्ष हमेशा क्षेत्रीय सदस्य देश से होते हैं।

ADB के 11 वें अध्यक्ष

महात्मा कांडो

जापान के वित्त मंत्रालय में जंजी

10 वर्षों तक अनुभव

ADB



19 दिसंबर 1966 - स्थापना

- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्था

- संप्रवेशी बनाना

- समूह बनाना

- सुझाव बनाना

- गरीबी को समाप्त करना

मुख्यालय



फिलीपिंस मनीला

- सफल देश - 68

⋮



Daily Current Affairs

Result MitraTM

अभ्यास अग्नि वारियर



अभ्यास
28-30 नवंबर 2024

संदर्भ:

- अग्नि वारियर अभ्यास का 13वां संस्करण भारतीय सेना और सिंगापुर सशस्त्र बलों के बीच संपन्न हुआ।

महाराष्ट्र के देवलाही फील्ड रेंज





Daily Current Affairs

अभ्यास अग्नि वारियर

प्रमुख बिंदु:

- अभ्यास 28-30 नवंबर 2024 तक देवलाली फील्ड फायरिंग रेंज, महाराष्ट्र में हुआ।
- सिंगापुर सशस्त्र बलों से 182 कर्मी और भारतीय सेना से 114 कर्मी (आर्टिलरी रेजिमेंट) शामिल थे।
- उद्देश्य: संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत प्रक्रियाओं की आपसी समझ और बहुराष्ट्रीय बल के रूप में सहयोग को बढ़ावा देना।



Daily Current Affairs

अभ्यास अग्नि वारियर

प्रमुख बिंदु:

- अभ्यास में तोपखाने द्वारा संयुक्त स्ट्राइक योजना, कार्यान्वयन और नई पीढ़ी के उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।
- दोनों सेनाओं ने संयुक्त तैयारी, समन्वय और प्रक्रियाओं की समझ को बढ़ाया।
- भारतीय और सिंगापुर तोपखाने के बीच सामान्य इंटरफेस विकसित किया गया।



अभ्यास अग्नि वारियर

प्रमुख बिंदु:

- सिंगापुर सैनिकों ने फायर पावर योजना की जटिलताओं का सफल प्रशिक्षण दिखाया।
- अभ्यास में विशिष्ट तकनीक और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान किया गया।

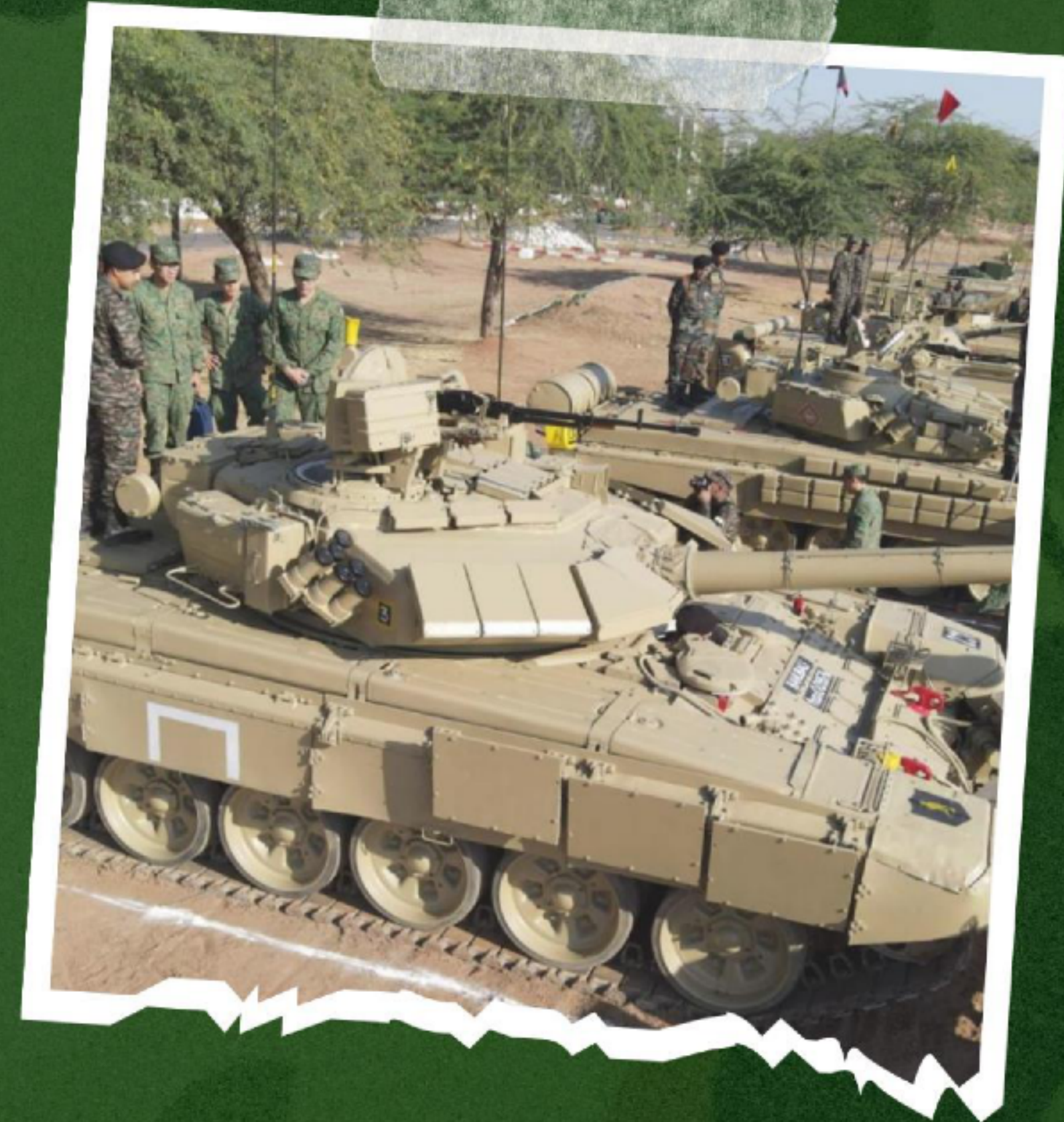
भारत और सिंगापुर के बीच अन्य युद्धाभ्यास

सिंबैक्स

गोल्ड कुलक्षेत्र

(SIMBEX - Singapore-India Maritime
Bilateral Exercise):

- यह भारतीय नौसेना और सिंगापुर नौसेना के बीच एक वार्षिक समुद्री अभ्यास है।
- इसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा और परिचालन क्षमता को बढ़ाना है।



भारत और सिंगापुर के बीच अन्य युद्धाभ्यास

बोल्ड कुरुक्षेत्र (Bold Kurukshetra):

- यह अभ्यास भारतीय सेना और सिंगापुर सेना के बीच होता है।
- इसमें सैन्य युद्ध कौशल और संयुक्त कार्य प्रक्रियाओं का अभ्यास किया जाता है।



अग्नि वारिचर अभ्यास



13 वाँ संस्करण

भारत VS/ सिंगापुर

पुद्दुच्चाय देव्वाली फील्ड रेंज (महाराष्ट्र)

अग्नि युद्धान्यास

SIMBEX

Singapore India maritime

Bilateral - Exercise

Bold kunukshendy

भारतीय बेना VS/ सिंगापुवी बेना



रामप्पा मंदिर

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने तेलंगाना में दो पर्यटन परियोजनाओं के लिए ₹141 करोड़ के ऋण को मंजूरी दी।





रामप्पा मंदिर

प्रमुख बिंदु:

- **परियोजनाएं:** रामप्पा क्षेत्र सतत पर्यटन सर्किट और सोमसिला वेलनेस एवं आध्यात्मिक रिट्रीट, नल्लमाला।
- 13वीं शताब्दी में निर्मित।
- इसे नवंबर 2021 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिला।



Daily Current Affairs

रामप्पा मंदिर

प्रमुख बिंदु:

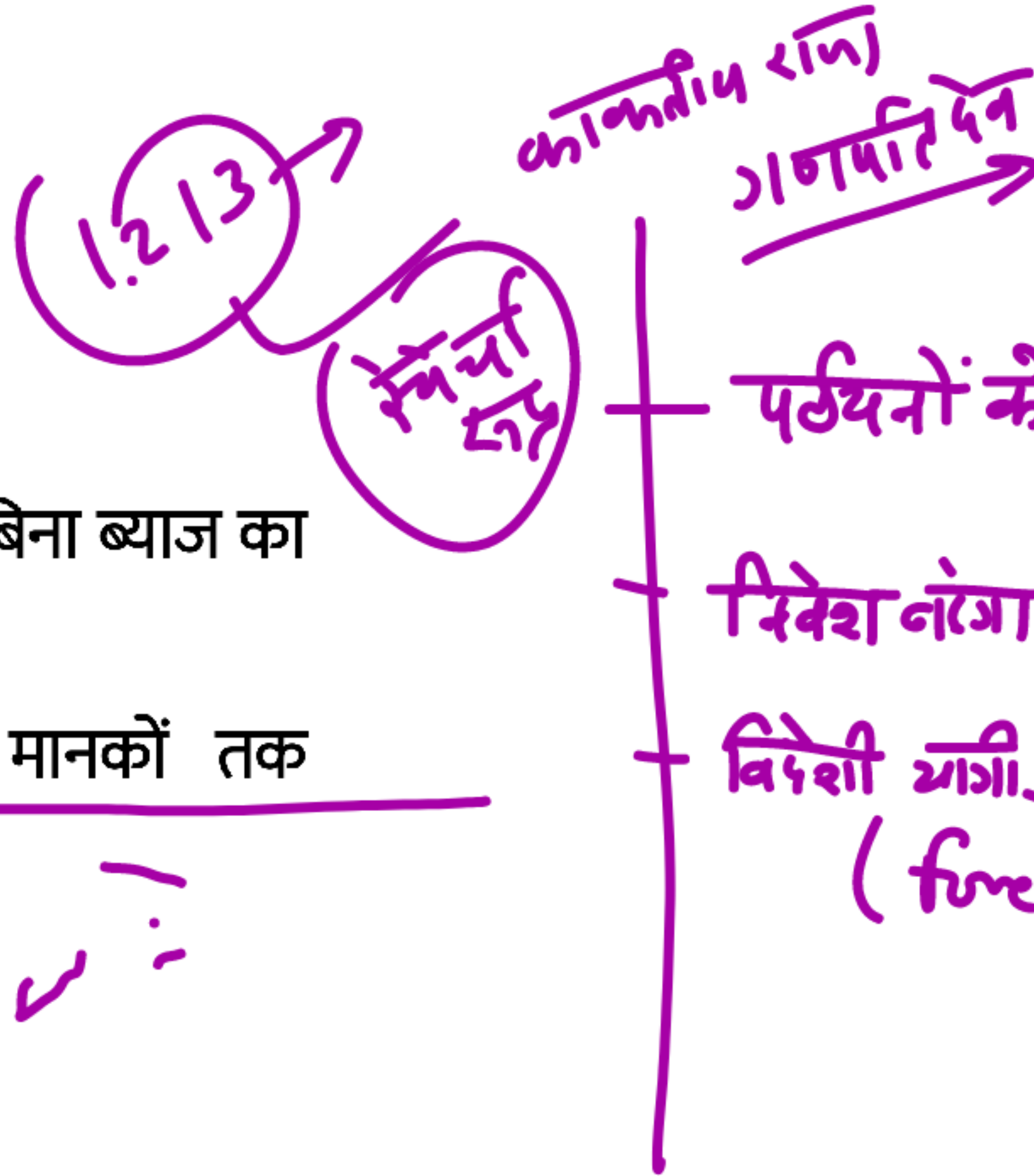
- केंद्र ने 23 राज्यों में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।
- ये परियोजनाएं "राजधानियों के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को विशेष सहायता योजना" (SASCI) के तहत आती हैं।



रामप्पा मंदिर

प्रमुख बिंदु:

- इस योजना के तहत 50 वर्षों के लिए बिना ब्याज का ऋण दिया जाता है।
- उद्देश्य: पर्यटन स्थलों को वैश्विक मानकों तक विकसित करना।

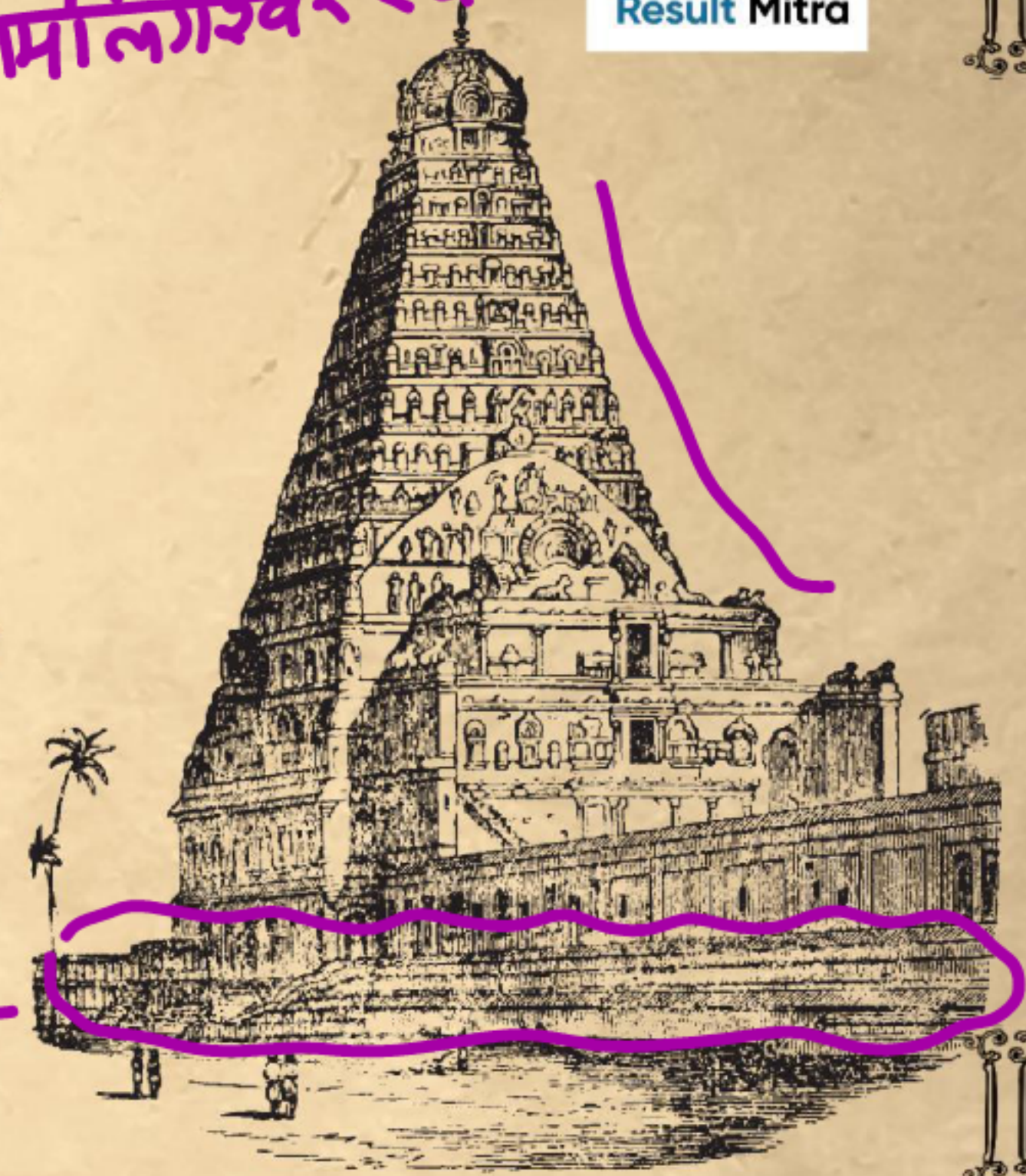


रामप्पा मंदिर के बारे में

रामलिंगेश्वर स्वामी



- रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर का निर्माण 1213 ई. में काकतीय राजा गणपति देव के सेनापति टेचेर्ला रुद्र ने किया।
- मुख्य देवता: रामलिंगेश्वर स्वामी।
- इसे रामप्पा मंदिर इसलिए कहते हैं क्योंकि एक मूर्तिकार ने इस पर 40 वर्षों तक काम किया।
- यह मंदिर 6 फुट ऊंचे तारे के आकार के मंच पर स्थित है।



रामप्पा मंदिर के बारे में



- नींव "सैंडबॉक्स तकनीक" से बनी है, जो भूकंप झेलने में सक्षम है।
- फर्श ग्रेनाइट का और खंभे बेसाल्ट के बने हैं।
- निचला भाग लाल बलुआ पत्थर और गोपुरम हल्की, तैरने वाली ईंटों से बना है।
- चार-मंजिला पिरामिड संरचना और विशिष्ट विमाना इसकी खासियत है।



रामप्पा मंदिर के बारे में



- स्तंभों और बीम पर जटिल नक्काशी और मूर्तियां काकतीय कला को दर्शाती हैं।
- मंदिर की मूर्तियां क्षेत्रीय नृत्य परंपराओं और काकतीय संस्कृति को प्रदर्शित करती हैं।
- दक्षिण भारत में काकतीय वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है।



रामापा मंदिर

↓
दो पर्यटन परियोजना

151 करोड़ निवेश

मुख्य देवता
रामलिंगेश्वर
स्वामी

50 वर्षों वित्त पोषित

↓
व्याज रहित (Interest no)

रूपेश्वर → 1213

काकतीय राजवंश

→ गणपति देव
सोनापति - रेचेली रूप

13 वीं शताब्दी के निर्मित

2021 - यूनेस्को ने सूची में शामिल किया है
विश्व धरोहर सूची



संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (UN Peacebuilding Commission)

चर्चा ने क्यों?

- भारत को 2025-26 के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग में पुनः चुना गया है





संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (UN Peacebuilding Commission)

संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (UN Peacebuilding Commission) 20 दिसंबर 2005 को संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों से स्थापित हुआ।
- यह एक अंतरसरकारी सलाहकार निकाय है जो संघर्ष-प्रभावित देशों में शांति प्रयासों का समर्थन करता है।



संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (UN Peacebuilding Commission)

संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग के बारे में:

- आयोग में 31 सदस्य राज्य होते हैं, जो महासभा, सुरक्षा परिषद, और आर्थिक और सामाजिक परिषद से चुने जाते हैं।
- प्रमुख वित्तीय योगदानकर्ता देशों और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में सैन्य बलों के प्रमुख योगदानकर्ता देशों को भी सदस्य बनाया जाता है।



संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (UN Peacebuilding Commission)

संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग के बारे में:

आयोग का उद्देश्य:

- संघर्ष के बाद शांति निर्माण और पुनर्निर्माण के लिए रणनीतियां तैयार करना।
- पुनर्निर्माण और संस्थान निर्माण के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना।
- एकीकृत रणनीतियों का समर्थन करना और स्थायी विकास के लिए नींव रखना।



संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (UN Peacebuilding Commission)

संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग के बारे में:

आयोग का उद्देश्य:

- आयोग को सभी संबंधित पक्षों को एकत्र करने, संसाधन जुटाने और समन्वय को बेहतर बनाने के लिए सिफारिशें देने का कार्य सौंपा गया है।
- यह शांति निर्माण के लिए एकीकृत रणनीतिक और संगठित दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।



संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (UN Peacebuilding Commission)

संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग के बारे में:

भारत की भूमिका:

- भारत यूएन शांति सेना में सबसे बड़े सैन्य और पुलिस बलों का योगदानकर्ता है।
- भारत ने यूएन अभियानों में लगभग 6,000 सैन्य और पुलिस कर्मियों को तैनात किया है।



चक्रवात फेंगल

चर्चा में क्यों?

- चक्रवात फेंगल ने 30 नवंबर 2024 को पुडुचेरी में लैंडफॉल किया, जिसके कारण तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में तेज हवाएं और भारी बारिश देखने को मिली।

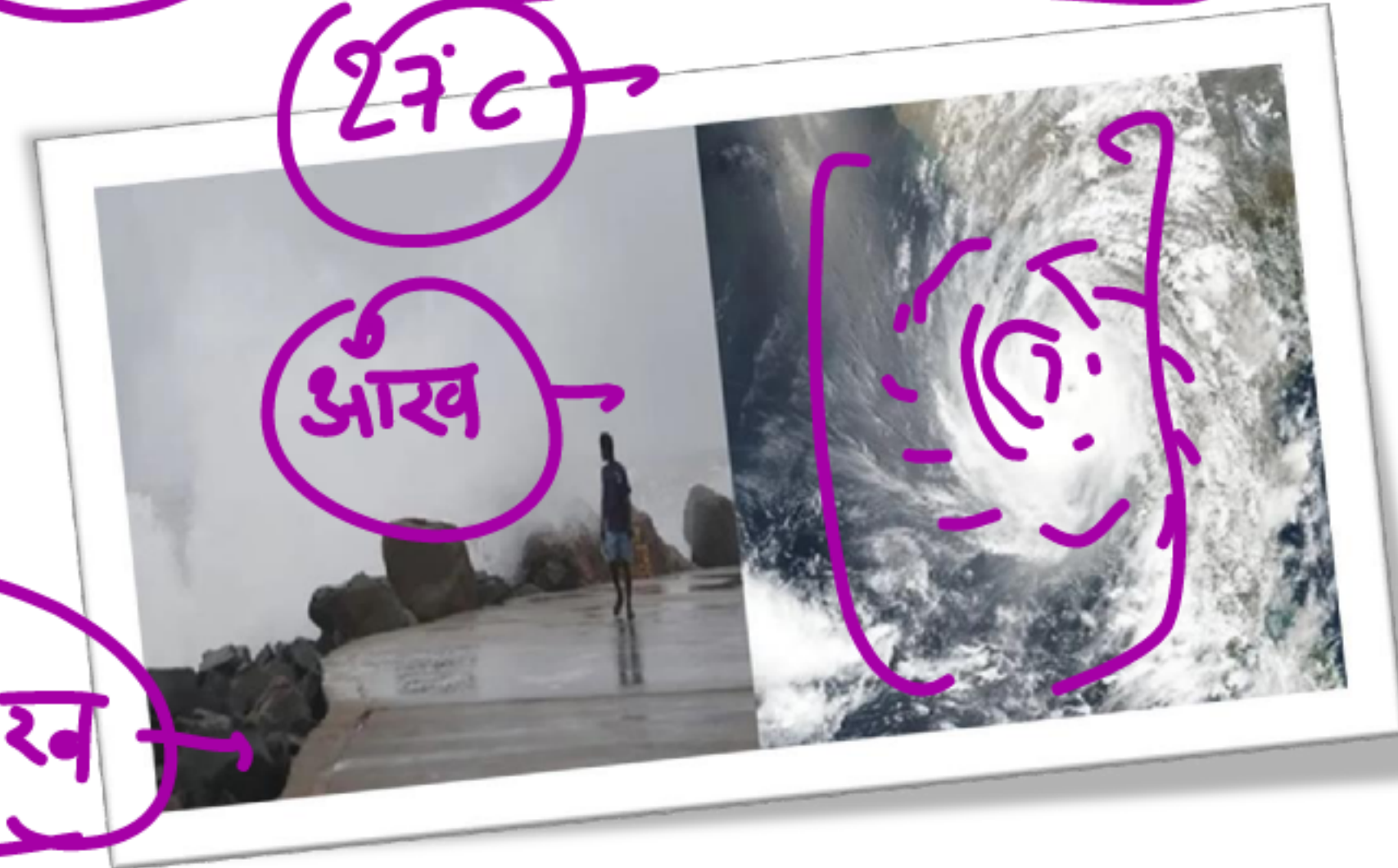


उदनाकरिगंधीय

27°C

आरव

फेंगल नाम - सऊदी अरब





चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

- यह उष्णकटिबंधीय तूफान है, जिसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा उष्णकटिबंधीय और अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय तूफानों में वर्गीकृत किया गया है।
- चक्रवात तब बनते हैं जब समुद्र की सतह से पानी वाष्पित होकर हवा में जाता है। जैसे-जैसे यह हवा ऊपर उठती है, यह ठंडी हो जाती है और वाष्प से संतृप्त हो जाती है, जिससे बादल बनते हैं।



चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

- उष्णकटिबंधीय तूफान अत्यंत हिंसक तूफान होते हैं, जो उष्णकटिबंधीय समुद्रों से उत्पन्न होते हैं और तटीय क्षेत्रों में पहुंचकर भारी तबाही मचाते हैं।
- ये तूफान बहुत तेज हवाओं, भारी बारिश और तूफानी लहरों के कारण बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाते हैं।



Daily Current Affairs

चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

- उष्णकटिबंधीय तूफान दुनिया के सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक माने जाते हैं।



Daily Current Affairs

चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

उष्णकटिबंधीय तूफान के बनने और ताकतवर होने के लिए अनुकूल स्थितियाँ:

- समुद्र की सतह का तापमान 27° C से अधिक हो।
- कोरियोलिस बल (Coriolis force) का अस्तित्व।
- वर्टिकल हवा की गति में कम परिवर्तन।



Daily Current Affairs

चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

उष्णकटिबंधीय तूफान के बनने और ताकतवर होने के लिए अनुकूल स्थितियाँ:

- पहले से मौजूद एक कमजोर निम्न दबाव क्षेत्र या निम्न-स्तरीय चक्रीय परिसंचरण।
- समुद्र स्तर से ऊपर वायु का प्रसार (Upper divergence)।
- समुद्र जितना गर्म होगा, चक्रवात उतना ही अधिक शक्तिशाली होगा।



चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

चक्रवात के पूर्ण रूप से बन जाने पर इसमें दो प्रमुख विशेषताएं होती हैं:

- **आंख:** चक्रवात का केंद्र, जहां हवा ठंडी होकर नीचे आती है और गर्म हवा एक सर्पिल रूप में ऊपर चढ़ती है।
- **आंख की दीवार:** उच्च तूफान जो बारिश, बिजली और तेज हवाएं लाते हैं।



चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

चक्रवात के पूर्ण रूप से बन जाने पर इसमें दो प्रमुख विशेषताएं होती हैं:

- चक्रवात के दौरान केंद्रीय सघन ओवरकास्ट बादल होते हैं, जो आंख को ऊपर से देखने से छुपा सकते हैं।
- लैंडफॉल वह क्षण है जब चक्रवात की आंख भूमि पर आ जाती है।
- जब चक्रवात जल पर होता है, तो यह अधिक नमी खींचता है, लेकिन जब यह भूमि पर आता है तो इसकी नमी की आपूर्ति खत्म हो जाती है, जिससे यह कमजोर हो जाता है।



चक्रवात फेंगल

प्रमुख बिंदु:

चक्रवात के पूर्ण रूप से बन जाने पर इसमें दो प्रमुख विशेषताएं होती हैं:

- चक्रवात के प्रभाव में तेज हवाएं, भारी बारिश और स्टॉर्म सर्ज के कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है।
- फेंगल नाम का उद्गम: इसे सऊदी अरब द्वारा प्रस्तावित किया गया था, और यह अरबी भाषा में है, जो उस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के बारे में

स्थापना

- NDMA की स्थापना भारत सरकार द्वारा 12 जनवरी 2006 को की गई थी, जब आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 लागू हुआ था।



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के बारे में

उद्देश्य

- आपदा के प्रभावों को कम करना।
- आपदा प्रबंधन में सभी संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय और सहयोग सुनिश्चित करना।
- आपदा से पहले, दौरान, और बाद में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- आपदा के जोखिमों को कम करने के लिए रणनीतियाँ तैयार करना और कार्यान्वित करना।



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के बारे में संघटन

- NDMA का नेतृत्व प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है, जो इसके अध्यक्ष होते हैं।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के कुल सदस्य 9 से अधिक नहीं होते (राज्य मंत्री का दर्जा)।
- उपाध्यक्ष: एनडीएमए के उपाध्यक्ष को प्रधानमंत्री, सदस्यों में से एक को नामित करते हैं, और इस पद को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जाता है।



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के बारे में संघटन

- अन्य सभी सदस्य प्रधानमंत्री द्वारा नामित किए जाते हैं।
- इसमें सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भी शामिल हैं।
- इसके प्रमुख सदस्य विभिन्न मंत्रालयों के सचिव और अन्य प्रमुख सरकारी अधिकारी होते हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के बारे में कार्य

- आपदा जोखिम घटना: आपदाओं की रोकथाम, जोखिम घटाने और पुनर्निर्माण के उपायों का प्रस्ताव।
- प्रतिक्रिया और सहायता: आपदाओं के समय त्वरित प्रतिक्रिया और आपातकालीन सहायता प्रदान करना।
- सार्वजनिक जागरूकता: लोगों को आपदा प्रबंधन के लिए जागरूक करना और प्रशिक्षण देना।



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के बारे में कार्य

- नीतियाँ और योजना बनाना: आपदा प्रबंधन के लिए नीति निर्माण और योजना बनाना।
- प्रौद्योगिकी का उपयोग: आपदा प्रबंधन में नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करना।
- NDMA का उद्देश्य भारत में आपदा प्रबंधन को एक प्रभावी और समग्र तरीके से संचालित करना है, ताकि समाज को आपदाओं से सुरक्षित किया जा सके।



चक्रवात फंगल
↓
उष्णकटिबंधीय चक्रवात
↓
NDMA (वर्गीकृत)
↓
सर्जनी अरण
अरणी

NDMA - 2006 ई

अध्यक्ष - प्रधानमंत्री



डिजिटल अरेस्ट

- डिजिटल गिरफ्तारी एक नई और अभिनव तकनीक है, जिसका इस्तेमाल साइबर अपराधी भोले-भाले लोगों से पैसे ठगने के लिए करते हैं।





डिजिटल अरेस्ट

प्रमुख बिंदु:

- डिजिटल गिरफ्तारी एक नई और अभिनव तकनीक है, जिसका इस्तेमाल साइबर अपराधी भोले-भाले लोगों से पैसे ठगने के लिए करते हैं।



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

- साइबर अपराधी पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय (ED), सीबीआई जैसे कानून प्रवर्तन अधिकारियों के रूप में सामने आते हैं और victims को यह विश्वास दिलाते हैं कि उन्होंने कोई गंभीर अपराध किया है।

15/12/24 RDX



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

1 करोड़

10 करोड़

- "डिजिटल गिरफ्तारी": कुछ मामलों में, शिकार को "डिजिटल गिरफ्तारी" कर दी जाती है, और उनसे Skype या अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर अपराधियों के सामने बने रहने के लिए दबाव डाला जाता है, जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होतीं।

→ नंबर Hacking
→ Ton Pan



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

- साइबर अपराधी victims को यह यकीन दिलाते हैं कि उन्हें 'डिजिटल गिरफ्तारी' का सामना करना पड़ा है और अगर वे बड़े पैमाने पर पैसे नहीं देते, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- साइबर अपराधी शिकार को विश्वास दिलाते हैं कि उन्हें "डिजिटल गिरफ्तारी" में डाला गया है और जब तक वे पैसे नहीं देंगे, वे अपने घर से बाहर नहीं जा सकते। इसके लिए वे victims को स्वयं गिरफ्तारी या स्व-आइसोलेशन में रहने के लिए मजबूर करते हैं।



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

रोकथाम के उपाय

- **साइबर स्वच्छता:** पासवर्ड और सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करें और दो-कारक प्रमाणीकरण सक्षम करें।
- फिशिंग हमले: संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें और अज्ञात स्रोतों से अटैचमेंट डाउनलोड न करें।
- **सुरक्षित उपकरण:** प्रतिष्ठित एंटीवायरस और एंटी-मालवेयर सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें और ऑपरेटिंग सिस्टम और एप्लिकेशन को अपडेट रखें।



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

रोकथाम के उपाय

- **वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN):** इंटरनेट कनेक्शन को एन्क्रिप्ट करने के लिए VPN का उपयोग करें, लेकिन मुफ्त VPN सेवाओं से बचें।
- **सुरक्षित संचार चैनल:** संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए एन्क्रिप्शन का उपयोग करें और सार्वजनिक मंचों पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतें।
- **जागरूकता:** जनता में साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में वृद्धि

- **गृह मंत्रालय की चेतावनी:** मार्च 2024 में, गृह मंत्रालय ने लोगों को साइबर अपराधियों द्वारा पुलिस और अन्य एजेंसियों के रूप में खुद को पेश कर डिजिटल गिरफ्तारी और ब्लैकमेलिंग के मामलों से सावधान रहने की चेतावनी दी।
- **राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े:** साइबर अपराधों में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि हुई है - 2020 में 10,395 मामले, 2021 में 14,007 और 2022 में 17,470 मामले दर्ज हुए।



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

भारत सरकार ने डिजिटल गिरफ्तारी स्कैम्स से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय किए हैं -

- **भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C):** गृह मंत्रालय द्वारा स्थापित I4C केंद्र साइबर अपराधों का समन्वय करता है और सैकड़ों धोखाधड़ी खातों को बंद किया है।
- **स्मार्ट टेलीफोनी उपाय:** सरकार ने टेलीकॉम कंपनियों के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय कॉल्स के फर्जी होने का पता लगाने और उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था की है।



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

भारत सरकार ने डिजिटल गिरफ्तारी स्कैम्स से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय किए हैं -

- **सिम कार्ड और IMEI नंबरों की ब्लॉकिंग:** साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए, सरकार ने 6.69 लाख सिम कार्ड और 1.32 लाख IMEI नंबरों को ब्लॉक किया है।
- **प्रचार और जागरूकता अभियान:** सोशल मीडिया और मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से नागरिकों को साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल गिरफ्तारी से बचने के लिए जागरूक किया जाता है।



डिजिटल अरेस्ट की पद्धति

भारत सरकार ने डिजिटल गिरफ्तारी स्कैम्स से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय किए हैं -

- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन (1930): लोग इन प्लेटफार्मों पर अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और मदद प्राप्त कर सकते हैं।

इन प्रयासों से सरकार नागरिकों की सुरक्षा और साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

1930 →

